

उत्तर प्रदेश में निवेश को धरातल पर गति दे रही है ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह (जीबीसी)

निवेश परियोजनाओं को धरातल पर उतार रही हैं उत्तर प्रदेश की ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह

लखनऊ, 4 नवम्बर 2025: भारत के औद्योगिक परिदृश्य में उत्तर प्रदेश एक नए आर्थिक परिवर्तन की कहानी लिख रहा है। निवेश में अभूतपूर्व वृद्धि और व्यापार सुगमता के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता ने इसे औद्योगिक विकास, अवस्थापना निर्माण और रोजगार सृजन के केंद्र में स्थापित किया है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित *ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह (जीबीसी)* श्रृंखला इस विकास यात्रा का सशक्त माध्यम बनी है, जिसने अब तक चार सफल संस्करणों के माध्यम से ₹12 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव को धरातल पर उतारा है।

राज्य अब आगामी **जीबीसी-5** की तैयारी कर रहा है। इस आयोजन के माध्यम से **₹5 लाख करोड़ से अधिक** की निवेश परियोजनाओं को धरातल पर उतारने की उम्मीद है। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश को **\$1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था** के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के और करीब ले जाएगी।

माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व और **माननीय औद्योगिक विकास मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता (नन्दी)** के मार्गदर्शन में प्रारंभ हुई यह पहल अब उत्तर प्रदेश की औद्योगिक नीति का प्रतीक बन चुकी है। इसने शासन की सक्रियता, क्षेत्रीय विविधता और निवेशकों के प्रति भरोसे को मज़बूती से स्थापित किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, रक्षा उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा और खाद्य प्रसंस्करण जैसे विविध क्षेत्रों में हुए निवेशों ने राज्य में एक सुदृढ़ और समावेशी आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र की नींव रखी है।

2018 में जीबीसी की शुरुआत के बाद से उत्तर प्रदेश ने इसके चार सफल संस्करणों की मेज़बानी की है, जिनके माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में कुल ₹12 लाख करोड़ से अधिक के निवेश आकर्षित किए गए हैं। जीबीसी-1 में ₹61,792 करोड़ की 81 परियोजनाओं से शुरुआत हुई, जो जीबीसी-2 में ₹67,202 करोड़ के 290 प्रोजेक्ट्स तक पहुँची। जीबीसी-3 में 1,406 प्रोजेक्ट्स के माध्यम से ₹80,224 करोड़ के निवेश को गति मिली, और जीबीसी-4 में यह आंकड़ा अभूतपूर्व रूप से बढ़कर ₹10,01,056 करोड़ के 14,701 प्रोजेक्ट्स तक पहुँच गया। यह पैमाना और क्रियान्वयन की गति राज्य की 'ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस' के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और निवेशकों के विश्वास का प्रमाण है।"

पिछले चार जीबीसी के मुख्य आकर्षण -

जीबीसी -1 (29 जून 2018) — ₹61,792 करोड़ | 81 परियोजनाएँ

GBC-1 ने उत्तर प्रदेश की औद्योगिक यात्रा की दिशा तय की। प्रमुख परियोजनाएँ:

- **मोबाइल ओपन एक्सचेंज क्लस्टर (वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, गौतमबुद्ध नगर)** – ₹10,000 करोड़ का इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन (आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग)।
- **टेगना इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा. लि.** – ₹5,000 करोड़ का इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (ग्रेटर नोएडा)।
- **वन97 कम्युनिकेशंस लि. (पेटीएम)** – ₹3,500 करोड़ का कॉर्पोरेट मुख्यालय एवं कैंपस।
- **अदाणी पावर** – ₹2,500 करोड़ की 765 केवी ट्रांसमिशन लाइन (घाटमपुर से हापुड़ तक)।

- **टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS)** – ₹2,300 करोड़ का नया आईटी/आईटीईएस केंद्र।
इन निवेशों ने **गौतमबुद्ध नगर** को इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी निवेश का प्रमुख केंद्र बना दिया।

जीबीसी -2 (28 जुलाई 2019) — ₹67,202 करोड़ | 290 परियोजनाएँ

दूसरे संस्करण ने उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और ऊर्जा क्षेत्र में विस्तार का मार्ग प्रशस्त किया।

- **विवो मोबाइल्स** – ₹7,429 करोड़ का मोबाइल निर्माण संयंत्र।
- **हायर इंडिया** – ₹2,804 करोड़ की CDIT उत्पाद निर्माण इकाई।
- **टोरेट गैस प्रा. लि.** – ₹2,751 करोड़ की पाइप नेचुरल गैस वितरण परियोजना (कई जिलों में)।
- **ओप्पो मोबाइल्स इंडिया** – ₹2,000 करोड़ का स्मार्टफोन निर्माण संयंत्र।
- **सनवोडा इलेक्ट्रॉनिक इंडिया प्रा. लि.** – ₹1,500 करोड़ की लिथियम-आयन बैटरी व इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण इकाई।

इस चरण ने उत्तर प्रदेश को **इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के राष्ट्रीय केंद्र** के रूप में स्थापित किया।

जीबीसी -3 (3 जून 2022) — ₹80,224 करोड़ | 1,406 परियोजनाएँ

तीसरे संस्करण ने डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में राज्य को नई पहचान दी।

- **एनआईडीपी डेवलपर्स प्रा. लि.** – ₹9,100 करोड़ का डेटा सेंटर।
- **सिफ्री टेक्नोलॉजीज़ लि.** – ₹2,692 करोड़ का प्रमुख डेटा सेंटर।
- **अदाणी एंटरप्राइजेज लि.** – ₹2,416 करोड़ का डेटा सेंटर।
- **एनटीटी ग्लोबल डेटा सेंटर्स एंड क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर इंडिया प्रा. लि.** – ₹1,687 करोड़ का डेटा सेंटर।
- **फेयरफॉक्स आईटी इंफ्रा प्रा. लि.** – ₹1,200 करोड़ का आईटी एवं आईटीईएस पार्क।

इस संस्करण ने उत्तर प्रदेश को भारत का **तेज़ी से उभरता डेटा और डिजिटल हब** स्थापित किया।

जीबीसी -4 (19 फरवरी 2024) — ₹10,01,056 करोड़ | 14,701 परियोजनाएँ

चौथा संस्करण अब तक का सबसे बड़ा और सर्वाधिक विविधतापूर्ण रहा, जिसने राज्यभर में औद्योगिक विस्तार को नई ऊँचाई दी।

- **टाटा टेक्नोलॉजीज़ लि.** – ₹4,174 करोड़ से आईटीआई केंद्रों का उन्नयन (कौशल विकास मिशन)।
- **हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि.** – ₹3,450 करोड़ से 11 जिलों में सिटी गैस वितरण।
- **उर्वशी इंफ्राटेक प्रा. लि. (DLF)** – ₹3,400 करोड़ की आईटी परियोजना (नोएडा)।

- **सी यू इंटरनेशनल (चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी)** – ₹2,000 करोड़ का निजी विश्वविद्यालय (उन्नाव)।
- **एबी मॉरी** – ₹1,677 करोड़ की यीस्ट निर्माण इकाई (पीलीभीत)।
- **अदाणी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज़ लि.** – ₹1,500 करोड़ का हथियार निर्माण संयंत्र (कानपुर)।
- **शराफ ग्रुप (हिंद टर्मिनल्स)** – ₹1,250 करोड़ का इनलैंड कंटेनर डिपो (मुरादाबाद)।
- **फोर्थ पार्टनर एनर्जी प्रा. लि.** – ₹1,200 करोड़ का सौर ऊर्जा संयंत्र (झांसी)।
- **कियान डिस्टिलरीज़** – ₹1,200 करोड़ का पेय निर्माण संयंत्र (गोरखपुर)।
- **वरुण बेवरेजेज लि.** – ₹1,071 करोड़ और ₹1,053 करोड़ की परियोजनाएँ (गोरखपुर व प्रयागराज)।
- **वंडर सीमेंट लि. एवं श्री सीमेंट नॉर्थ प्रा. लि.** – ₹1,434 करोड़ के सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट (अलीगढ़ व एटा)।
- **मून बेवरेजेज, बिंदाल्स पेपर मिल्स, इफ्को, हल्दीराम, बिकानेरवाला** – ₹510 करोड़ से ₹1,071 करोड़ तक के निवेश (हापुड़, बिजनौर, बरेली, हरदोई व गौतमबुद्ध नगर)।

इन परियोजनाओं ने रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, खाद्य प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स और उच्च शिक्षा जैसे क्षेत्रों में व्यापक निवेश सुनिश्चित किया, जिससे राज्य के विभिन्न जिलों में औद्योगिक विकास को गति मिली।

सतत और समावेशी विकास की दिशा में आगे

जीबीसी -5 की तैयारियाँ जोरों पर हैं, जिसका लक्ष्य ₹5 लाख करोड़ के निवेश का भूमि पूजन करा मूर्त रूप देना है। **निवेश विभाग व इन्वेस्ट यूपी** के माध्यम से राज्य तेज़ अनुमोदन प्रक्रियाएँ, उन्नत कनेक्टिविटी और निवेशकों के लिए एकल खिड़की प्रणाली (*निवेश मित्र*) जैसी सुविधाएँ प्रदान कर रहा है।

2018 के ₹61,000 करोड़ से 2024 के ₹10 लाख करोड़ तक की जीबीसी यात्रा उत्तर प्रदेश के औद्योगिक परिवर्तन और निवेशक-अनुकूल नीतियों का जीवंत उदाहरण है।

उत्तर प्रदेश अब न केवल *\$1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था* के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, बल्कि *समावेशी, सतत और रोज़गार-उन्मुख विकास* का नया मानक भी स्थापित कर रहा है।
